भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **1100**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025/3 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरक भंडारण सुविधाएं

1100. श्री वीरेन्द्र सिंह:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में किन राज्यों में उर्वरकों की सबसे अधिक कमी देखी जा रही है;
(ख) क्या उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में यूरिया और डीएपी जैसे उर्वरक पर्याप्त मात्रा में और समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं;
(ग) क्या यह सच है कि धान उत्पादक क्षेत्रों में मानसून-पूर्व और खरीफ मौसम के दौरान उर्वरकों की मांग अधिक होती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या चंदौली जैसे धान-प्रधान जिलों को उर्वरक उपलब्ध कराने/आवंटित करने में प्राथमिकता देने के लिए कोई राष्ट्रीय नीति है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) भारत में उर्वरक गोदामों की संख्या और उनकी भंडारण क्षमता कितनी है;
(च) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश, विशेषकर चंदौली जिले में उर्वरक भंडारण सुविधाओं की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण कालाबाजारी हो रही है और उर्वरकों के वितरण में देरी हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) क्या सरकार का चंदौली में उर्वरक भंडारण सुविधाएं बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके पूरा होने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): चल रहे खरीफ मौसम 2025 के दौरान देश भर में यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस जैसे उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है।

(ख): उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चल रहे खरीफ मौसम 2025 के दौरान चंदौली सहित राज्य के सभी जिलों में यूरिया और डीएपी की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है।

(ग): भारत सरकार प्रत्येक फसल मौसम से पहले उर्वरकों की आवश्यकता का आकलन करती है। खरीफ 2025 के दौरान, यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की अनुमानित मात्रा क्रमशः 185.40 लाख मीट्रिक टन, 56.99 लाख मीट्रिक टन, 11.13 लाख मीट्रिक टन और 76.51 लाख मीट्रिक टन है।

(घ): उर्वरक विभाग का कार्य राज्य स्तर पर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। हालाँकि, राज्य के भीतर जिला स्तर पर उर्वरकों का वितरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

(ङ.): देश में उर्वरक कंपनियों द्वारा कुल 1,082 गोदामों का उपयोग किया जा रहा है और उनकी संचयी भंडारण क्षमता 22,42,074 मीट्रिक टन है।

(च) और (छ): उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि चंदौली जिले में उर्वरकों के भंडारण के संबंध में कोई विशेष कठिनाई की सूचना नहीं है।

****